[श्री एस० एम० जोशी]

इन शब्दों के साथ जो प्रस्ताव रखा है, उसका मैं समर्थन करता हूं, क्योंकि मैंने इसका स्वागत किया है।

15-55 hrs.

RE: INCIDENT IN THE PUBLIC GALLERY—*Contd.*

MR. CHAIRMAN: Shri Prem Chand Verma.

SHRI NATH PAI: What happened to my point of order? When are you going to inform the House?

MR. CHAIRMAN: I am just trying to get the papers. She has been kept for interrogation. The lady was trying to raise slogans. So, she was removed from the galleries and she was kept for interrogation.

SHRI NATH PAI: A detailed statement will be made here.

MR. CHAIRMAN : I have asked for the papers.

SHRI NATH PAI: All the information will be given to us.

MR. CHAIRMAN: If not today, tomorrow morning.

SHRI JAGANNATH RAO JOSHI (Bhopal) : The interrogation should not take so long. That should have been over now.

MR. CHAIRMAN: She may have been released.

15-56 hrs.

STATUTORY RESOLUTION RE. PROCLAMATION IN RELATION TO PUNJAB; AND PUNJAB STATE LEGISLATURE (DELEGATION OF POWERS) BILL—*contd.*

श्री प्रेम चन्द वर्मा : जो प्रस्ताव आया है इसका मैं समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मुझे इस वक्त पंजाब के इतिहास की कुछ थोड़ी सी याद आ रही हैं। पंजाब में अठारह साल तक कांग्रेस पार्टी की सरकार रही है और कांग्रेस पार्टी ने एक मजबूत जम्हूरी सरकार जनता को दी। लेकिन 1967 के चुनाव में ऐसा न हो सका। अकालियों ने, जन संघियों और कम्युनिस्टों ने जो आपस में शत्रु थे, अकाली जन संघ को कहते थे कि ये अमरीका के एजंट हैं, जन संघ वाले अकालीयों को कहते थे कि ये हिन्दी के विरोधी हैं और मास्टर तारा सिंह के बारे में तो यहां तक कहते थे कि ये तो पाकिस्तान के एजंट हैं, जन संघ कम्युनिस्टों को कहते थे कि ये रूस के अनुयायी हैं और रूस के एजंट हैं, सरकार बनाई। तीनों दल जो आपस में कभी बात करने के लिए तैयार नहीं थे इन्होंने सरकार बनाई। कांग्रेस को हकूमत की चाह नहीं थी। इस वास्ते वहां पर युनाइटेड फ्रंट के नाम से एक सरकार बनी। सरदार गुरनाम सिंह उसके चीफ मिनिस्टर थे। उस सरकार में श्री डांग फूड मिनिस्टर थे। इन दोनों ने मिल कर हिमाचल प्रदेश को अनाज भेजना बन्द कर दिया। हिमाचल में बहादुर डोगरे रहते हैं जो हिन्दुस्तान की सरहदों की रक्षा करते हैं। वहां अनाज कम होता है लेकिन वहां देश के लिए जान देने वाले अपना खून देने वाले बहुत हैं, ऐसे लोगों की तादाद बहुत ज्यादा है जो देश की आजादी के लिए, देश की हिफाजत के लिए अपना सिर कटवाने के लिए तैयार हैं। वहां की जनता को पंजाब ने अनाज देना बन्द कर दिया। हमारे बच्चे, हमारी बहनें, हमारी बहुएं, हमारी बेटियां जब सरहद पार करके हिमाचल में जाती थी तो उनकी तलाशी ली जाती थी, उनके साथ बुरा बरताव किया जाता था और तब हमें सोचने के लिए मजबूर होना पड़ा था कि हम हिन्दुस्तान में रह रहे हैं या किसी दूसरे मुल्क में रह रहे हैं। यह गुरनाम सिंह मिनिस्ट्री का एक